SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY-VERAVAL

पदविका (DIPLOMA) पाठ्यक्रम

Effective from Academic Year 2022-23

Programme	Diploma (पदविका)		Name of Faculty	
Subject	पी.जी.डिप्लोमा इन मन्दिर व्यवस्थापन		Marks	70
Paper Name	प्रश्नपत्र – 1		Hours	60
Paper Code	-		Credits	04

हिन्दु मान्यताओं का धार्मिक, शास्त्रीय एवं वैज्ञानिक महत्त्व

Course Objectives Student Teachers will be able to	• हिन्दुधर्म की धार्मिक एवं शास्त्रीय मान्यताओं से अवगत/परिचित होना। • हिन्दुधर्म की परम्पराओं का वैज्ञानिक महत्त्व जान पाना। • पंचांग का विशद परिचय प्राप्त कर पाना। • शास्त्रीय मत से व्रतादि का निर्णय कर पाना। • देवी-देवताओं के स्तुति/पाठ/श्लोक का ज्ञान प्राप्त करना।

COURSE CONTENT/SYLLABUS

UNIT	TITLE	Marks	Hours	Credits
1	हिन्दु मान्यताओं का धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्त्व- दिक्निर्णय/ब्रह्ममूहुर्त, आसनमहत्त्व, तीलकलक्षण, शिखामहत्त्व, उत्तरीयमहत्त्व, रक्षासूत्रमहत्त्व, आचमन-प्राणायाम, धूप-दीप-शङ्ख-घण्टा महत्त्व, कर्मपात्र, व्रत-उपवास			1
2	हिन्दु मान्यताओं का शास्त्रीय एवं वैज्ञानिक महत्त्व - सूर्य-चन्द्रग्रहण का वैज्ञानिक महत्त्व, दिशा-सूर्य का महत्त्व, शङ्खजल/शङ्खध्वनि का महत्त्व			1
3	पञ्चाङ्ग - भद्रा, श्रावणी एवं रक्षाबन्धन निर्णय - क्षयतिथि-वृद्धितिथि का विवेचन - ग्रहणविषयक चर्चा - श्राद्धनिर्णय - जन्माष्टमी, रामनवमी, महाशिवरात्री(प्रदोष), नवरात्री, गणेशचतुर्थी, एकादशी व्रत निर्णय - पर्युषण-संवत्सरीनिर्णय			1
4	देवी-देवताओं से संबंधित नियत श्लोक एवं उनका भावानुवाद- गणेश(गजाननं...., विघ्नेश्वराय..., वक्रतुण्ड...), शिव(ध्यायेन्नित्यं..., कर्पूरगौरं..., वन्दे देवमुमापतिं...), शक्ति(या देवी...मातृरूपेण..., नमो देव्यै..., सर्वमङ्गल..., या श्रीः स्वयं...), सूर्य(आदित्यस्य..., जपाकुसुम..., ध्येयः सदा...), विष्णु(शान्ताकारं..., नमोऽस्त्वनन्ताय..., मङ्गलं भगवान्...), जिनस्तुतिः(नमो अरिहन्ताणं...॥), स्वामिनारायणस्तुतिः (निजाश्रितानां..., वामे यस्य...,आदो प्रेमवती....., यो दिव्याक्षर....)			1

Course Outcome	• हिन्दुधर्म की धार्मिक एवं शास्त्रीय मान्यताओं से अवगत/परिचित होंगे। • हिन्दुधर्म की परम्पराओं का वैज्ञानिक महत्त्व जान सकेंगे। • पंचांग का विशद परिचय प्राप्त कर पायेंगे। • शास्त्रीय मत से व्रतादि का निर्णय करने का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे। • देवी-देवताओं के स्तुति/पाठ/श्लोक का ज्ञान प्राप्त कर पायेंगे।
References:	1.

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY-VERAVAL

पदविका (DIPLOMA) पाठ्यक्रम

Effective from Academic Year 2022-23

Programme	Diploma (पदविका)		Name of Faculty	
Subject	पी.जी.डिप्लोमा इन मन्दिर व्यवस्थापन		Marks	70
Paper Name	प्रश्नपत्र – 2		Hours	60
Paper Code	-		Credits	04

मूर्ति-शिल्पशास्त्र तथा प्रवचनपरम्परा का परिचय

Course Objectives Student Teachers will be able to	• जैनधर्म एवं उनके तीर्थंकरों का परिचय प्राप्त करना। • तीर्थंकर-यक्ष-यक्षिणी-दिक्पाल-प्रतिहार-श्रुतदेवी एवं विद्यादेवी के मूर्तिविधान का परिचय प्राप्त करना। • भारतीय धर्म अन्तर्गत जैनधर्म के आगम साहित्य एवं उनके श्रद्धेय पंच-परमेष्ठी के स्वरूप का परिचय प्राप्त करना। • जैन मन्दिरों के शिल्प एवं कला स्थापत्य की विशेषताएँ उजागर होना। • विविध सम्प्रदायों के प्रसिद्ध एवं महत्त्वपूर्ण स्तोत्रों का परिचय प्राप्त होना।

COURSE CONTENT/SYLLABUS

UNIT	TITLE	Marks	Hours	Credits
1	1.1 जैनधर्म का परिचय 1.2 तीर्थंकरों की मूर्तियों का परिचय एवं विशेषता 1.3 यक्ष-यक्षिणी एवं प्रतिहार, श्रुतदेवी, विद्यादेवी, दिक्पाल			1
2	2.1 जैन आगम - आगम की व्यवस्था - आगम का वर्गीकरण 2.2 पंचपरमेष्ठी का स्वरूप और महत्त्व, अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु 2.3 मन्दिर का स्थापत्य, विशेषता, मध्यकालीन जैनमन्दिर का स्थापत्य, पाटण के सन्दर्भ में जैनमन्दिरों का परिचय, कुंभारिया, शत्रुंजय, गिरनार, थारंगा, देलवाडा जैनशिल्पकला एवं स्थापत्य			1
3	3.1 गोस्वामी तुलसीदास- सुन्दरकाण्ड, सत्यनारायण व्रत कथा 3.2 दुर्गासप्तशती, रुद्राष्टकम्, गणपति-अथर्वशीर्ष परिचय 3.3 भक्तामर स्तोत्र			1
4	4.1 स्वामिनारायण वचनामृत 4.2 श्रीकृष्णाष्टकम् 4.3 विष्णुसहस्रनाम स्तोत्र का परिचय			1

Course Outcome	• जैनधर्म एवं उनके तीर्थंकरों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। • तीर्थंकर-आदि के मूर्तिविधान का परिचय प्राप्त कर सकेंगे। • जैन आगम साहित्य से अवगत हो सकेंगे। • जैन शिल्पकला स्थापत्य की विशेषताओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। • विविध स्तोत्रों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
References:	1.

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY-VERAVAL

पदविका (DIPLOMA) पाठ्यक्रम

Effective from Academic Year 2022-23

Programme	Diploma (पदविका)		Name of Faculty	
Subject	पी.जी.डिप्लोमा इन मन्दिर व्यवस्थापन		Marks	70
Paper Name	प्रश्नपत्र – 3		Hours	60
Paper Code	-		Credits	04

प्रशासन एवं व्यवस्था

Course Objectives Student Teachers will be able to	• धार्मिक ट्रस्ट संबंधित कानूनों का ज्ञान प्राप्त करना। • ट्रस्ट संबंधित कानूनों को जानकर मन्दिर व्यवस्थापन करना। • दर्शनार्थियों की सुविधाओं के प्रबन्धन के विषय में जानकारी प्राप्त करना। • मन्दिरों के आर्थिक व्यवहारों के विषय का ज्ञान प्राप्त करना। • आधुनिक तकनीकि विज्ञान के माध्यम से आर्थिक व्यवहारों का प्रबन्धन सुचारु रूप से करना।

COURSE CONTENT/SYLLABUS

UNIT	TITLE	Marks	Hours	Credits
1	1.1 ट्रस्ट के प्रकार एवं ट्रस्ट गठन के उद्देश्य 1.2 चेरिटी कमिश्नर द्वारा निर्मित धार्मिकट्रस्ट के गठन के नियम 1.3 धार्मिक ट्रस्ट के विविध कार्य एवं दायित्व			1
2	दर्शनार्थियों की सुविधा एवं व्यवस्थापन 2.1 लाईव दर्शन हेतु आधुनिक संसाधनों का उपयोग 2.2 सी.सी.टी.वी. संबंधित तकनीकी ज्ञान 2.3 ई-पूजा का ज्ञान			1
3	3.1 ओडिट रिपोर्ट निर्माण का प्राथमिक ज्ञान 3.2 ओडिट रिपोर्ट क्यों ? 3.3 12A एवं 80G का महत्त्व			1
4	4.1 मन्दिरव्यवस्थापन में कम्प्यूटर का उपयोग 4.2 दृश्य-श्राव्य, लाइट एन्ड साउन्ड शो का महत्त्व 4.3 कम्प्यूटर का हार्डवेर-सोफ्टवेर एवं Tally का ज्ञान			1

Course Outcome	• धार्मिक ट्रस्ट संबंधित कानूनों का ज्ञान प्राप्त होगा एवं सम्पूर्ण मन्दिर व्यवस्थापन में ट्रस्ट के दायित्व का ज्ञान प्राप्त होगा। • दर्शनार्थियों की सुविधाओं के प्रबन्धन के विषय में जानकारी प्राप्त होगी। • मन्दिरों के आर्थिक व्यवहारों के विषय का ज्ञान प्राप्त होगा। • आधुनिक तकनीकि विज्ञान के माध्यम से आर्थिक व्यवहारों का प्रबन्धन सुचारु रूप से करने का ज्ञान प्राप्त होगा।
References:	1.

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY-VERAVAL

पदविका (DIPLOMA) पाठ्यक्रम

Effective from Academic Year 2022-23

Programme	Diploma (पदविका)		Name of Faculty	
Subject	पी.जी.डिप्लोमा इन मन्दिर व्यवस्थापन		Marks	70
Paper Name	प्रश्नपत्र – 4		Hours	60
Paper Code	-		Credits	04

मन्दिर का प्रचार-प्रसार एवं प्रोजेक्टवर्क तथा इन्टर्नशीप

Course Objectives Student Teachers will be able to	•

COURSE CONTENT/SYLLABUS

UNIT	TITLE	Marks	Hours	Credits
1	1.1 सोश्यल मीडिया द्वारा मन्दिर का प्रचार-प्रसार 1.2 मन्दिर की शिल्प तथा स्थापत्य की सुरक्षा का महत्त्व 1.3 मन्दिर-परिसर की स्वच्छता एवं सुरक्षा के उपाय	25		1
2	2.1 पावागढ़, साळंगपुर (स्वामिमन्दिर,कष्टभंजनमन्दिर), डाकोर (रणछोडरायमन्दिर), बीलीमोरा सोमनाथमन्दिर (दक्षिणगुजरात) 2.2 हठीसिंह के देरा, कुबेरभण्डारी (चाणोद), स्वामिनारायणमन्दिर वडताल, चोटीलामन्दिर 2.3 नर्मदातीर्थ, त्रिवेणीसंगम (सोमनाथ), नारायणसरोवर(कच्छ), बिन्दुसरोवर(सिद्धपुर)	25		1
3	प्रोजेक्टवर्क-	-		1
4	इन्टर्नशीप (15 दिनात्मक)	20		1

Course Outcome	•
References:	1.

प्रोजेक्टवर्क तैयार करने हेतु ध्यातव्य बिन्दु

प्रोजेक्ट रिपोर्ट का मूल्यांकन विश्वविद्यालय कक्षा से किया जायेगा।

- मन्दिर का भौगोलिक स्थान संकेत
- मन्दिर के स्थापत्य का परिचय
- मन्दिर के शिल्पशास्त्र का परिचय
- मन्दिर की नित्य पूजा तथा विशेष उत्सवों की पूजा का परिचय
- मन्दिर संबंधित विशेषताएँ तथा पौराणिक उल्लेख
- दर्शनार्थियों को मन्दिर की ओर से प्राप्त सुविधाएँ

इन्टर्नशीप विषयक नियम

- इन्टर्नशीप १५ दिनात्मक की होगी।
- कुल गुणांक २० रहेंगे, जिसमें उत्तीर्णता हेतु कम से कम ०८ गुण प्राप्त करना आवश्यक है।
- किसी भी प्रकार की आर्थिक लेन-देन के बिना संस्था के माध्यम से छात्र को इन्टर्नशीप करनी होगी।

इन्टर्नशीप मूल्यांकन के बिन्दु

- छात्र का वर्तन एवं व्यवहार
- स्वच्छता तथा सुशोभन एवं नियमितता
- विषय संबंधी जानकारी
- समग्रलक्षी मूल्यांकन

  सभी बिन्दुओं का महत्त्म गुणभार ०५ गुण तथा कुल गुण २० रहेगा

  युनिवर्सिटी द्वारा नियत फोर्मेट में मन्दिर इन्टर्नशीप का प्रमाणपत्र अपनी ओर से छात्र को प्रदान करेगी

SHREE SOMNATH SANSKRIT UNIVERSITY-VERAVAL

पदविका (DIPLOMA) पाठ्यक्रम

Effective from Academic Year 2022-23

Diploma (पदविका)
पी.जी.डिप्लोमा इन मन्दिर व्यवस्थापन
प्रश्नपत्र का प्रारूप- १ से ३ प्रश्नपत्र हेतु

વિભાગ	યુનિટ	પ્રશ્નક્રમાંક તથા વિગત	ગુણ	કુલ ગુણ
1	1	૧. વ્યાખ્યાત્મક કોઈપણ બે પ્રશ્નમાંથી એકનો ઉત્તર લખવાનો. ૨. નિબંધાત્મક કોઈપણ બે પ્રશ્નમાંથી એકનો ઉત્તર લખવાનો.	5 ગુણના બે પ્રશ્નો 10 ગુણનો એક પ્રશ્ન	5 10
2	2	૩. વ્યાખ્યાત્મક કોઈપણ બે પ્રશ્નમાંથી એકનો ઉત્તર લખવાનો. ૪. નિબંધાત્મક કોઈપણ બે પ્રશ્નમાંથી એકનો ઉત્તર લખવાનો.	5 ગુણના બે પ્રશ્નો 10 ગુણનો એક પ્રશ્ન	5 10
3	3	૫. વ્યાખ્યાત્મક કોઈપણ બે પ્રશ્નમાંથી એકનો ઉત્તર લખવાનો. ૬. નિબંધાત્મક કોઈપણ બે પ્રશ્નમાંથી એકનો ઉત્તર લખવાનો.	5 ગુણના બે પ્રશ્નો 10 ગુણનો એક પ્રશ્ન	5 10
4	4	૭. વ્યાખ્યાત્મક કોઈપણ બે પ્રશ્નમાંથી એકનો ઉત્તર લખવાનો. ૮. નિબંધાત્મક કોઈપણ બે પ્રશ્નમાંથી એકનો ઉત્તર લખવાનો.	5 ગુણના બે પ્રશ્નો 10 ગુણનો એક પ્રશ્ન	5 10
5	1-4	૯. યુનિટ- ૧, ૨, ૩ અને ૪ માંથી ૧૫ હેતુલક્ષી પ્રશ્નોમાંથી ૧૦ના ઉત્તર આપવાના	દરેક પ્રશ્નનો ૧ ગુણ	10
			કુલ ગુણ	70